मौसम ने बदली करवट, बारिश के साथ ओलावृष्टि, फसलों को नुकसान

शहडोल, देशबन्धु। जिले में अचानक मौसम ने करवट बदल ली और शुक्रवार की तड़के ठंडी हवाएं चलने लगीं। सुबह से ही घने बादल छाए रहे। दोपहर में तेज गर्जना के साथ बारिश हुई साथ ही ओलावृष्टि हुई है। छोटे-छोटे ओलों से खेतों में फसलों को नुकसान भी पहुंचा है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। मौसम वैज्ञानिक का कहना है कि आने वाले दो दिनों तक इसी तरह से मौसम रहेगा, और बारिश के साथ ओलावृष्टि की भी चेतावनी दी गई है।

गेहूं, सरसों, चना को पहुंचा नुकसान-खेतों में खड़ी गेहूं की फसल तेज हवाओं के कारण गिर रही है। किसान अरुण तिवारी के अनुसार उनकी मेहनत से तैयार की गई फसल अब खतरे में है। जिले में रुक-रुक कर हो रही बारिश से जहां गर्मी से राहत मिली है, वहीं फसलों के लिए यह नुकसानदायक साबित हो रही है। किसान डॉक्टर बाल्मिक गौतम ने कहा कि खेतों में अभी गेहूं, चने और सरसों की फसल पककर तैयार है। इसे काटने की तैयारी कर रहे थे, इस ओलावृष्टि से इन फसलों को काफी नुकसान हो सकता है।

आम और महुआ को नुकसान-तेज हवाओं के साथ हुई बारिश और ओलावृष्टि से महुआ और आम को काफी नुकसान है। ऐसा करुआ के किसान रामपाल चतुर्वेदी का कहना है। उन्होंने बताया कि कई एकड़ में उनके महुआ और आम के बागान हैं। तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि से महुआ और आम के पेड़ में लगे फूल खराब हो रहे हैं। इससे अब आम महुआ की उपज कम होगी।

क्या कहते हैं वैज्ञानिक

कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर मृगेंद्र सिंह ने बताया कि आने वाले दो दिनों तक मौसम कुछ इसी तरह रहेगा हल्की-हल्की बारिश और ओलावृष्टि की संभावना है। खेतों में पकी फसलों को नुकसान है, महुआ और आम को इससे अधिक नुकसान होगा।

उमरिया में गिरे ओले, किसानों की चिंता बढ़ी

उमरिया, देशबन्धु। जिले में बीते दिन मौसम ने अचानक करवट ले ली। गुरुवार सुबह से ही बादलों की घनी परत ने सूरज को ढक लिया था, और हल्की ठंडी हवाएं चलने लगीं। दोपहर होते-होते तेज गर्जना के साथ बारिश शुरू हुई, जो देखते ही देखते ओलावृष्टि में बदल गई। बड़े आकार के ओलों ने खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचाया, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। गर्मी से बेहाल लोगों को इस मौसम परिवर्तन से राहत जरूर मिली, लेकिन किसानों के लिए यह बारिश और ओलावृष्टि किसी आपदा से कम नहीं रही। गेहूं और चने की फसल कटाई के लिए तैयार थी, लेकिन ओलों की मार से कई खेतों में फसल बर्बाद हो गई। किसानों का कहना है कि इतनी मेहनत से तैयार की गई फसल का इस तरह बर्बाद होना उनके लिए आर्थिक रूप से बहुत नुकसानदायक साबित हो सकता है।

जलवायु परिवर्तन का असर?

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम में अचानक इस तरह का बदलाव देखने को मिल रहा है। मार्च और अप्रैल के महीने में आमतौर पर गर्मी रहती थी, लेकिन इस बार लगातार बदलते मौसम से किसानों को नुकसान झेलना पड़ रहा है।

किसानों की अपील, जल्द मिले मुआवजा

ग्रामीण इलाकों में कई किसानों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि उन्हें जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए। कुछ किसानों का कहना है कि वे पहले से ही कर्ज में डूबे हुए हैं और अगर उन्हें समय पर सहायता नहीं मिली, तो उनकी आर्थिक स्थिति और बिगड़ सकती है।

सरकार से राहत की उम्मीद

मौसम की इस मार से उबरने के लिए किसानों की उम्मीद सरकार पर टिकी हुई है। प्रशासन का कहना है कि प्रभावित किसानों को हर संभव सहायता दी जाएगी। कृषि विशेषज्ञ भी किसानों को सलाह दे रहे हैं कि वे अपनी अगली फसल की योजना सोच-समझकर बनाएं, ताकि इस तरह की प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

बारिश से गेहूं-चना को नुकसान सागौन बीज की बुवाई रुकी

उमरिया, देशबन्धु। जिले में बुधवार से शुरू हुई बारिश का दौर गुरुवार को भी जारी रहा। पिछले 24 घंटों में 5.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। बेमौसम बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कटाई के लिए तैयार गेहूं की फसल बारिश से प्रभावित हुई है।

चना, बटरी और अरहर की फसलें भी नुकसान की चपेट में आ गई हैं। कुछ किसानों ने पहले ही फसल काट ली थी, लेकिन वह भी बारिश में भीग गई। किसान गुड्डा के अनुसार, गेहूं की फसल पक चुकी थी और चना-बटरी की कटाई चल रही थी। बारिश ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया है। ओलावृष्टि ने भी गेहूं की फसलों को नुकसान पहुंचाया है। हालांकि, इस बारिश से जंगलों में आग का खतरा टल गया है। वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी राहत महसूस कर रहे हैं। गर्मी और बढ़ते तापमान के कारण जंगल में आग की घटनाएं बढ़ रही थीं। मध्य प्रदेश राज्य वन विकास निगम की चंदिया रोपणी में चल रही सागौन बीज की बुवाई को भी रोकना पड़ा है। तापमान में गिरावट के कारण यह कार्य स्थगित कर दिया गया है।

जिले में पिछले 10 दिनों में अधिकतम तापमान 32.6 से 37.9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। न्यूनतम तापमान 12.3 से 19.7 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

सार-समाचार

प्रभारी आबकारी अधिकारी गोपाल सिंह का तबादला, अशोक खत्री को सौंपी जिम्मेदारी

उमरिया, देशबन्धु। मध्य प्रदेश शासन ने उमरिया जिले के प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी गोपाल सिंह राठौर का तबादला इंदौर कर दिया है। अब वे इंदौर कार्यालय के संभागीय फ्लाइंग स्क्वॉड के प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, शाजापुर जिले के सहायक जिला आबकारी अधिकारी अशोक कुमार खत्री को उमरिया का नया प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।

दरअसल, आबकारी विभाग को लेकर सरकार लगातार बदलाव कर रही है, ताकि अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाई जा सके और विभाग की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। इसी कड़ी में गोपाल सिंह राठौर को इंदौर भेजा गया है, जहां वे संभागीय फ्लाइंग स्क्वॉड के प्रभारी के रूप में कार्य करेंगे। फ्लाइंग स्क्वॉड का मुख्य उद्देश्य अवैध शराब के मामलों की निगरानी करना और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करना है।गोपाल सिंह ने अवैध शराब के खिलाफ सख्त की गोपाल सिंह राठौर ने उमरिया में अपने कार्यकाल के दौरान अवैध शराब के खिलाफ कई सख्त अभियान चलाए। उनके नेतृत्व में कई बड़े मामलों में कार्रवाई की गई, जिससे जिले में अवैध शराब के कारोबार पर काफी हद तक अंकुश लगा। अब इंदौर में उनकी जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण होगी।

उमरिया में 202 खातों पर 4.89 लाख रुपए होल्ड

उमरिया, देशबन्धु। पुलिस ने साइबर अपराध के मामलों में 202 खातों में 4 लाख 89 हजार 600 रुपए होल्ड कराने की कार्रवाई की है। इनमें से एक सप्ताह में ही 1 लाख 59 हजार 750 रुपए पीड़ितों को वापस कराए गए। इससे पहले इसी वर्ष 42 हजार रुपए साइबर सेल के माध्यम से लौटाए जांच एक प्रमुख मामले में शेखर कुर्मी के पिता के

साथ 99 हजार 800 रुपए की धोखाधड़ी हुई। जांच में पता चला कि उनके फोन में एपीके फाइल डाउनलोड की गई थी। साइबर सेल ने तत्काल कार्यवाही कर राशि होल्ड कराई और न्यायालय के आदेश पर वापस दिलाई। अन्य मामलों में चंद्रमा महतो से 20 हजार, राकेश बैगा से 10 हजार और राजेश सिंह की पत्नी से फर्जी निवेश के नाम पर 30 हजार रुपए की ठगी की राशि भी वापस कराई गई।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर कार्यशाला

पन्ना, देशबन्धु। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित ई-दक्ष केन्द्र के सभाकक्ष में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें जिला उपभोक्ता आयोग के सदस्य उमेश पटेल, भावना सोनी, ग्राहक दक्षता कल्याण फाउंडेशन के संदीप गुप्ता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता आशीष बोस सहित जिला आपूर्ति अधिकारी देवेन्द्र खोबरिया, खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश राय, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी कल्लू पटेल, भारतीय खाद्य निगम के प्रतिनिधि मधुर दीक्षित तथा उपभोक्ता संरक्षण से जुड़े विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, व्यापारी एवं उपभोक्तागण भी शामिल हुए।

कार्यक्रम में जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही आम उपभोक्ताओं से सेवा या वस्तु क्रय के दौरान सजग रहने तथा क्रय वस्तु अथवा सेवा की गारंटी व वारंटी एवं बिल अनिवार्य रूप से प्राप्त करने की अपील की गई। कार्यशाला में उपभोक्ता आयोग के सदस्यों ने आयोग में दर्ज परिवाद के बारे में जानकारी प्रदान कर आम उपभोक्ताओं से क्रय सेवा अथवा वस्तु के मामलों में व्यापारियों से शोषित होने पर आयोग में परिवाद दायर करने का आग्रह किया, जिससे उपभोक्ताओं को अपने हक का अधिकार मिल सके। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने खानपान से संबंधित वस्तुओं की गुणवत्ता के बारे में जानकारी दी।

शादी का झांसा देकर युवती का दैहिक शोषण

शहडोल, देशबन्धु। प्यार का इजहार किया और शादी का झांसा दिया। फिर बड़े बड़े सपने दिखाकर एक 23 साल की युवती से दुराचार कर जब हवस की भूख मिट गई तो शादी से इनकार कर दिया। यह मामला जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र का है। रिश्तेदार युवक के खिलाफ युवती ने महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस दुराचार करने वाले आरोपी युवक की तलाश में जुट गई है । पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के गांव में रहने वाली 23 वर्षीय एक युवती से उसके दूर के रिश्तेदार सूरज से पहले फोन पर बातचीत हुई और फिर प्यार का इजहार किया। दोनों की लव स्टोरी जल्द ही जिस्मानी संबंध में तब्दील हो गई। सूरज युवती को प्यार का वास्ता और जल्द शादी के सपने दिखाकर युवती से जबरन कभी जंगल तो कभी खेत में दुराचार की वारदात को अंजाम दिया। जब मन भर गया तो युवती से दूरी बना लिया। युवती को समझ आ गया कि उसके साथ गलत हुआ है। आहत युवती ने मामले की जानकारी परिजनों को और फिर महिला थाने में दी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस मामला दर्ज कर उसकी तलाश में जुट गई है।

फाग गीत एवं रंगारंग कार्यक्रम में जमकर थिरके

केशरवानी वैश्य समाज का होली मिलन समारोह आयोजित

शहडोल, देशबन्धु। केसरवानी वैश्य ग्राम सभा सिंहपुर द्वारा गत दिवस ग्राम सिंहपुर में होली मिलन समारोह एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय इस आयोजन में समाज के लोगों ने रंग, गुलाल व फूलों की होली खेली तथा फाग गीत के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आंनद उठाया।

कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण एवं महर्षि कश्यप के पूजन के साथ हुई। इसके बाद होली मिलन, फाग गीत व पारिवारिक सहभोज का भी आयोजन किया गया। समाज की महिलाओं व बच्चियों ने रंगारंग कार्यक्रमों की

प्रस्तुति दी। उक्त कार्यक्रम में लालचंद गुप्ता सीधी, लक्ष्मण गुप्ता शहडोल, बृजेश गुप्ता कटनी, अनिल गुप्ता ब्यौहारी, राकेश गुप्ता वनसुकली, रामप्रसाद गुप्ता मनेंद्रगढ़ के अलावा शहडोल से अनिल गुप्ता, राजेश गुप्ता, बृजेंद्र गुप्ता, मनोज गुप्ता, निभा गुप्ता, शोभना, प्रकाश, विजय, बीएम गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, आयोजकों में दीपक गुप्ता, आशीष गुप्ता, अनुराग गुप्ता, रजनीश गुप्ता, अजय गुप्ता, नीलेश गुप्ता, धर्मेंद्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

श्रीराम कथा : गुरु की महिमा सुन भाव विभोर हुए श्रोता

शहडोल, देशबन्धु। मनोज ट्रेडिंग कंपनी एवं मनोज टीवीएस परिवार के द्वारा आयोजित नौ दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा के द्वितीय दिवस श्रीराम कथा महिमा एवं गुरु महिमा का सुन्दर संगीतमय वर्णन किया गया। 20 मार्च से शुभम पैलेस शहडोल में शुरु हुए संगीतमय श्रीराम कथा 29 मार्च तक चलेगी। द्वितीय दिवस श्रीराम कथा प्रारंभ से पहले वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रीराम कथा के मुख्य श्रोता श्रीमती बब्बी बाई गुप्ता व कथा के आयोजक मनोज टीवीएस परिवार के हनुमान प्रसाद गुप्ता, राजेश गुप्ता एवं मनोज गुप्ता एवं परिजनों ने कथा व्यास पीठ एवं व्यास का विधिवत पूजन किया। पूजन पश्चात श्री चित्रकूट धाम से पधारे मर्मज्ञ कथा व्यास पंडित बद्री प्रपन्नाचार्य महाराज का स्वागत किया गया। स्वागत के पश्चात कथाव्यास पंडित बद्री प्रपन्नाचार्य महाराज ने श्रीमुख से श्रीराम कथा महिमा एवं गुरु महिमा की कथा सुनाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। श्रीराम कथा सुनने को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह है। इसका आकलन इसे ही लगाया जा सकता है कि कथा के दौरान आज इंद्रदेव महाराज ने कथा के दूसरे दिन भी फिर से अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए बारिश से पूरे परिसर को भीगा दिया। बारिश के दौरान भी श्रोता अपने स्थान पर बैठ कर कथा का आनन्द लेते रहे।

श्रीराम कथा में कथा व्यास पंडित बद्री प्रपन्नाचार्य महाराज के साथ संगीत मंडली ने मधुर व मनमोहक भजन प्रस्तुत कर पूरे परिसर को भक्तिमय कर दिया। श्रीराम कथा की शुरुआत गुरुवार को कलश यात्रा से हुई थी जो गणेश मंदिर से प्रारंभ होकर कथा स्थल शुभम पैलेस पहुंचकर सभी लोग श्रीराम कथा का श्रवण किया। श्री राम कथा की शुरुआत में भी भगवान इंद्र ने हल्की बारिश कर कथा श्रोताओं व आयोजकों को आशीर्वाद प्रदान किये। संगीत में श्री राम कथा में तृतीय दिवस शनिवार, 22 मार्च को शिव पार्वती संवाद, नारद मोह, राजा भानुप्रताप प्रसंग, राम जन्मोत्सव का रसपान कथा व्यास पंडित बद्री प्रपन्नाचार्य जी महाराज द्वारा कराया जाएगा।

बीमा कर्मचारियों के संगठन का सम्मेलन आज व कल

शहडोल, देशबन्धु। शहडोल डिवीज़न इंश्योरेंस एम्प्लाईज़ यूनियन जो कि अपने क्षेत्रीय इकाई सेंट्रल ज़ोन इंश्योरेंस एम्प्लाईज़ एसोसिएशन के माध्यम से अपने अखिल भारतीय संगठन ऑल इंडिया इंश्योरेंस एम्प्लाईज़ एसोसिएशन से सम्बद्ध है, के 30वे अधिवेशन का आयोजन शहडोल मे 22 एवं 23 मार्च को होने जा रहा है। अधिवेशन का (उद्घाटन) खुला सत्र एवं प्रतिनिधि सत्र होटल शुभम पैलेस, सिन्धी धर्मशाला के पास शहडोल में 22 एवं 23 मार्च को सम्पन्न होगा। कार्यक्रम हेतु स्वागत समिति के अध्यक्ष इप्टा के राष्ट्रीय सदस्य अशोक कुमार नामदेव होगें एवं समस्त मण्डल के साथी इसके सदस्य रहेंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष काम. अब्दुल हफीज खान करेंगे।

स्वागत समिति के संयोजक कामरेड शुभम श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम का उदघाटन ऑल इंडिया इंश्योरेंस एम्प्लाईज़ एसोसिएशन के सह सचिव एवं सेंट्रल ज़ोन इंश्योरेंस एम्प्लाईज़ एसोसिएशन के महासचिव काम. धर्मराज महापात्र करेंगे एवं मुख्य अतिथि के रूप मे सेंट्रल ज़ोन इंश्योरेंस एम्प्लाईज़ एसोसिएशन के अध्यक्ष काम? अजित केतकर, विशिष्ट अतिथि सेंट्रल ज़ोन इंश्योरेंस एम्प्लाईज़ एसोसिएशन के सहसचिव काम. व्ही.एस. बघेल , सेंट्रल ज़ोन इंश्योरेंस एम्प्लाईज़ एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष काम. संदीप सोनी अधिवेशन में उपस्थित होगें।

आज निकलेगी विशाल रैली

कामरेड ने बताया कि जीवन बीमा निगम में आईपीओ के खिलाफ,नबीमा क्षेत्र मे एफडीआई की सीमा सौ प्रतिशत करने के खिलाफ, जीवन बीमा निगम में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी मे नई भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ करने, एआईआईईए को मान्यता देने, सार्वजनिक उपक्रमों सहित राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की हिफाजत के लिए, साथ ही, दमन, शोषण, अत्याचार, महंगाई, बेरोजगारी, सांप्रदायिकता, सरकार की जनविरोधी एवं श्रमिक विरोधी नीतियों के खिलाफ विशाल रैली 22 मार्च को दोपहर 01 बजे से होटल शुभम पैलेस सिन्धी धर्मशाला से प्रारंभ होकर कर जैन मन्दिर, लक्ष्मीबाई स्कूल, नया गाँधी चौक होते हुए गुरुनानक चौक, इन्दिरा चौक से होते हुए ईदगाह रोड से वापस शुभम पैलेस पहुँचकर विशाल सभा के रूप मे परिवर्तित होगी।

ध्वाजारोहण उपरांत शहीद बेदी में पुष्प चढ़ाकर अमर शहीदों को श्रद्धांजली अर्पित करने के पश्चात दोपहर 02 बजे उदघाटन सत्र प्रारंभ होगा। 22 मार्च को सायं 06 बजे से प्रतिनिधि सत्र प्रारम्भ होकर 23 मार्च को दोपहर 3.30 बजे तक होटल शुभम पैलेस में ही सम्पन्न होगी। कामरेड ने बताया कि हमें पूर्ण विश्वास है कि हमेशा की तरह शहडोल डिवीज़न इंश्योरेंस एम्प्लाईज़ यूनियन का यह अधिवेशन, शहडोल संभाग के कर्मचारी आंदोलन के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

सोन नदी में डूबे जीजा-साली का शव मिला

शहडोल, देशबन्धु। शहडोल जिले में सोहागपुर थाना क्षेत्र के खेतौली स्थित सोन नदी के गहरे पानी में गायब हुए जीजा-साली की लाश खोज ली गई है। 20 वर्षीय युवती ईशा गुप्ता की लाश बुधवार देर शाम मिल गई थी, जबकि उसके जीजा सागर गुप्ता 40 वर्ष का शव गुरुवार तड़के मिल पाया।

ज्ञात हो कि होली की छुट्टी में अपने ससुराल शहडोल स्थित नरसराहा आए नागपुर महाराष्ट्र निवासी सागर गुप्ता बुधवार को अपनी साली ईशा गुप्ता एवं आठ अन्य रिश्तेदारों के साथ पिकनिक मनाने खितौली गांव में सोन नदी तट पर गए थे। नहाते समय जीजा-साली गहरे पानी में चले गए। वहां मौजूद लोगों द्वारा उन्हें बचाने की कोशिश की लेकिन नाकाम रही। जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ की मदद से रेस्क्यू प्रारंभ किया।

एसडीआरएफ की टीम ने बुधवार की शाम से ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और चार घंटे बाद ईशा की लाश शाम करीब आठ बजे मिली गई, जबकि उसके जीजा सागर का शव नहीं मिल पाया था, जिसको लेकर बुधवार की रात तकरीबन 10 बजे रेस्क्यू ऑपरेशन एसडीआरएफ की टीम ने बंद कर दिया, और गुरुवार की सुबह 5 बजे से ही परिजनों के साथ पहुंची एसडीआरएफ की टीम में स्थानीय पुलिस की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। गुरुवार की सुबह सात बजे सागर गुप्ता का शव पानी से बाहर निकाला गया है।

बताया जा रहा है कि नदी में जहां पर दोनों गायब हुए वहां पानी के अंदर गड्ढों में खाई नुमा चट्टानें हैं, जहां दोनों के शव फंसे हुए थे। जानकारी के अनुसार, पोस्टमॉर्टम के बाद सागर का शव परिजन नागपुर ले गए, जबकि ईशा का अंतिम संस्कार शहडोल में ही किया गया। थाना प्रभारी सोहगपुर भूपेंद्र मणि पांडे ने बताया कि दोनों शव को पानी से बाहर निकालने के बाद पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया गया था। मामले पर मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी महोदय ब्यौहारी जिला शहडोल (म.प्र)

श्रीमती कमल श्री जैन आयु 86 वर्ष पति स्व. हुकुमचंद जैन पुत्री स्व. जैन *सतोष कुमार जैन पिता दशरथ लाल जैन पेशा व्यापार हॉस्पिटल रोड कोतमा जिला अनूपपुर (म.प्र) 03-श्रीमती उर्मिला जैन पति स्व. सुशीलकुमार जैन पेशा व्यापार हॉस्पिटल रोड कोतमा जिला अनूपपुर (म.प्र) 04- अशोक कुमार जैन माँ स्व. गेंदाबाई जैन पिता दशरथ लाल जैन निवासी कोतमा जिला अनूपपुर (म.प्र) 05- मालती जैन माँ स्व. गेंदा बाई जैन पिता दशरथ लाल जैन पति त्रिलोक चंद्र जैन निवासी पुष्पविहार दिल्ली सेक्टर नंबर 5-6 दिल्ली 06 माधुरी जैन माँ स्व. गेंदा बाई जैन पिता दशरथ लाल जैन पत्नि अशोक कुमार जैन सा. राजभवन के अन्दर भोपाल (म.प्र) 07 अरुणलता जैन माँ स्व. गेंदा बाई जैन पिता दशरथ लाल जैन पति नूतन कुमार जैन डोंगरगांव जैन मंदिर के पास रायपुर छत्तीसगढ़

सभी आवेदकगणों आम मुख्तियार संजय कुमार जैन आत्मज स्व. हुकुमचंद जैन 1599 राईट टाउन जबलपुर

अपीलार्थी गण

बनाम

01 श्री चंद जैन आयु 46 वर्ष आत्मज स्व. मोतीलाल जैन सा. व्योहारी जिला शहडोल (म.प्र) 02 राजकमल जैन आत्मज स्व. मोतीलाल जैन सा. ब्योहारी जिला शहडोल 03 श्रीमती सुनीता पुत्री मोतीलाल जैन पति दिनेश जैन सा. हनुमान चौक सतना मध्यप्रदेश 04 चमेली वाई बेवा मोतीलाल जैन सा. ब्योहारी जिला शहडोल 05 वदना जैन उर्फ बेबी पुत्री मोतीलाल जैन सा. मंदसौर जिला मंदसौर मध्यप्रदेश 06-अ कमला जैन बेवा जवाहर लाल जैन पुत्र प्रकाश जैन सा. भेल संगम चौराहा यूनीक रेसिडेंसी सी-304 बागसेवनिया भोपाल 06-ब प्रकाश चंद जैन पिता स्व. जवाहर लाल जैन निवासी ब्योहारी जिला शहडोल हालमुकाम भेल संगम चौराहा यूनीक रेसिडेंसी सी -304 बागसेवनिया भोपाल 06-स अमिता जैन पुत्री स्व. जवाहर लाल जैन सा. बहुरानी बेंगल, छोटी देवी के पास टीकमगण (म.प्र) 06-द संगीता जैन पुत्री स्व. जवाहर लाल जैन पति अनिल जैन आदि एल्युमीनियम शॉप, क्षेत्रपाल मंदिर के पास ललितपुर उत्तरप्रदेश 06-इ शोभा जैन पुत्री स्व. जवाहर लाल जैन पति विनोद जैन गमछा बाले सिविल लाइन कटनी (म.प्र) 07 अ- नरेश कुमार जैन पिता रूपचन्द जैन सा. व्यौहारी बगैरा 07 ब- अशोक कुमार जैन पिता रूपचन्द जैन सा. व्यौहारी बगैरा 07 स- मनोज कुमार जैन पिता रूपचन्द जैन सा. व्यौहारी बगैरा 07 ड- राजकुमारी पति केशरी मल जैन सा. गुना अग्रवाल धर्मशाला के पास 07 इ- चन्दा जैन पति प्रद्युमन जैन सा. अमरपाटन गांधी चौक श्री बड़े बाबा गारमेंट तहसील अमरपाटन जिला सतना 07 ई- मणिप्रभा पति शिवप्रसाद जैन सा. मीठी जिला शिवपुरी 07 उ- बेवा रूपचद जैन सा. व्यौहारी वार्ड क्र. 08, 08- महेंद्र कुमार निता स्व. धर्मदास जैन सा. पोंडी तहसील जयसिंहनगर जिला शहडोल मध्यप्रदेश 09- चैना वाई पत्नी स्व. इंद्रकुमार जैन सा. पोडी जयसिहनगर (म.प्र) 10- विनोद कुमार जैन पिता स्व. इंद्रकुमार जैन सा. व्योहारी जिला शहडोल मध्यप्रदेश 11-प्रमोद कुमार पिता स्व. इंद्रकुमार जैन सा. ब्योहारी जिला शहडोल मध्यप्रदेश 12-गुणमाला जैन पुत्री स्व. इंद्रकुमार जैन पति प्रवीणकुमार जैन सा. नयी बस्ती कटनी जिला कटनी (म.प्र) 13. श्रेयांश कुमार जैन पिता स्व. इंद्रकुमार जैन सा व्योहारी जिला शहडोल मध्यप्रदेश 14- अंशकुमार जैन पिता स्व. इंद्रकुमार जैन सा. व्योहारी जिला शहडोल मध्यप्रदेश 15 - सुभाष चन्द्र जैन पिता धरमदास जैन सा. व्योहारी हालमुकाम टिकुरियाटोला जिला सतना मध्यप्रदेश 16- पवनकुमार पिता धरमदास जैन सा. पोडी तहसील जयसिंहनगर जिला शहडोल 17-सुमित चन्द्र पिता धर्मदास जैन सा. पोडी तहसील जयसिहनगर जिला शहडोल 18-रमेश चंद्र पिता हुकुम चन्द्र जैन सा. मेन बाज़ार कोतमा जिला अनूपपुर 19-देवेन्द्र कुमार पिता हुकुम चन्द्र जैन सा. मेन बाज़ार कोतमा जिला अनूपपुर 20- राजेन्द्र कुमार पिता लालचन्द्र जैन सा. वार्ड क्र. 3 कोतमा जिला अनूपपुर 21- मंजीबाई पुत्री लालचंद जैन पति मूलचंद जैन सा. मझौली जिला जबलपुर 22-प्रकाश चंद जैन पिता केवलचंद जैन सा. कोतमा जिला अनुपपुर मध्यप्रदेश 23- चक्रेश कुमार जैन पिता केवलचंद जैन सा. कोतमा जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश 24- राकेश कुमार जैन पिता केवलचंद जैन सा. कोतमा जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश 25-मिथिलेश जैन पिता स्व. नरेश कुमार जैन सा. कोतमा जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश 26- निलेश कुमार जैन पिता स्व. नरेश कुमार जैन सा. कोतमा जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश 27- नितेश कुमार जैन पिता स्व. नरेश कुमार जैन सा. कोतमा जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश 28- अर्चना जैन पिता स्व. नरेश कुमार जैन पति आनंद कुमार जैन सा. लखनादौन जिला सिवनी (म.प्र) 29- संजय पिता कोमलचंद जैन जेल बिल्डिंग के पीछे शहडोल 30- संदीपा पुत्री कोमलचंदजैन पति राहुल जैन सा. महराजपुर जिला जबलपुर 31- शांतिबाई वेवाविमल कुमार जैन सा. सतना जिला सतना मध्यप्रदेश 32- कमलकुमार पिता विमलकुमार जैन सा. सतना जिला सतना मध्यप्रदेश 33- निर्मल कुमार जैन पिता विमलकुमार जैन सा. सतना जिला सवना मध्यप्रदेश 34-सुरेन्द्र कुमार पिता विमलकुमार जैन सा. सतना जिला सतना मध्यप्रदेश 35- सौरभ पिता सुशीलकुमार जैन सा. कोतमा जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश 36 गौरव जैन पिता सुशीलकुमार जैन सा. कोतमा जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश 37- गुंजन पुत्री पिता सुशीलकुमार जैन सा. कोतमा जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश 38- सुमन पुत्री पिता सुशीलकुमार जैन सा. कोतमा जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश 39-पूजा पुत्री पिता सुशीलकुमार जैन सा. कोतमा जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश 40-कांती जैन माँ गेंदाबाई पुत्री दशरथ लाल जैन पति पदमचंद जैन सा. कोतमा जिला अनूपपुर (म.प्र) 41- विभा पुत्री कुंजी लाल जैन पति नवीन जैन सा. बदौसा जिला बांदा उत्तरप्रदेश 42-शुभा पुत्री कुंजी लाल जैन सा. वीरसिंहपुरपाली होली चार्ड स्कूल के सामने जिला उमरिया (म.प्र) 43- रवि पिता कुंजीलाल जैन सा. वीरसिंहपुरपाली होली चार्ड स्कूल के सामने जिला उमरिया (म.प्र) 44-आभा जैन पुत्री कुंजीलाल जैन सा. वीरसिंहपुरपाली होली चार्ड स्कूल के सामने जिला उमरिया (म.प्र) 45-पद्मावती पुत्री धरमदास पति कोमलचंद्र जैन सा. पटवारी मोल्हला छतरपुर 46-राजू उर्फ मुन्ना पिता स्व. बाबूलाल जैन सा. सूर्या होटल ले पास शहडोल 47-गुडिया (सपना) पुत्री बाबूलाल जैन सा. गिरनारसाइकिल वाले सिन्धी कैंप बुढार जिला शहडोल (म.प्र) 48- अव्यतीबाई पुत्री अमरचंद पति नाथूराम जैन सा. ललितपुर जिला ललितपुर उत्तरप्रदेश 49- केतमती पुत्री अमरचंद जैन पति प्रेमचन्द जैन सा. सलेहा जिला पन्ना मध्यप्रदेश 50- भानुमती पुत्री अमरचंद पति प्रेमचन्द जैन सा. डेरा पहाड़ी के पास जिला छतरपुर मध्यप्रदेश 51- मायाबाई पुत्री अमरचंद पति विनोद कुमार जैन सा0 मवई जिला छतरपुर मध्यप्रदेश

अपील अंतर्गत धारा 44 (1) म.प्र.भू.रा.स. 1959 न्यायलय तहसीलदार तहसील ब्योहारी जिला शहडोल मध्यप्रदेश के रा.प्र.क्र.215 व 27-16-17 आदेश दिनाक 25/05/2018 के विरुद्ध के विरुद्ध प्रथम अपील

उत्तरवादी गण

अनुविभागीय अधिकारी, ब्यौहारी जिला शहडोल (म.प्र.)